# श्री शत्रुंजय - मुक्ति सम्यगज्ञान अभ्यासक्रम

तृतीय वर्ष - अभ्यास - ५

अक्टूबर 2023

गुणांक - १००

## प्रश्न - पत्र

सूचना : १. नाम और एनरोलमेंट नंबर बिना का पेपर रद्द किया जायेगा । २. लाल स्याही के पेन का उपयोग न करें । ३. समझ में न आये ऐसे अक्षरों वाले जवाब पत्र जांचे नहीं जायेंगे । ४. जवाब पत्र में ही योग्य खाने में जवाब लिखना है, साथ में दूसरा पेपर जोडना नहीं है, जोडने पर तीन मार्क्स काट लिये जायेंगे । ५. जवाब पत्र हर महिने की ता. २५ तक भेजना जरुरी है, आगे-पीछे आए पेपर जांचे नही जायेंगे । ६. सभी जवाब अभ्यासक्रम के आधार पर ही लिखना है । ७. जिस महिने का प्रश्न पत्र है, उसके बाद के महिने की २५ ता. को आपके मार्क्स तथा सही उत्तर इन्टरनेट पर दे दिये जायेंगे, उसके बाद आए हुये उत्तर पत्र स्वीकृत नहीं होंगे तथा फोन पर जवाब नहीं दिया जायेगा । ८. उत्तर पत्र में अभ्यासक्रम का नंबर लिखना जरुरी है ।

**प्रश्न नं. १ रिक्त स्थान की पूर्ति करो -** २०

१. देदी को गर्भ रहा उस रात देदी ने स्वप्न में .................... का पान किया ।
२. शुष्क ज्ञानी.................... का निषेध करते है ।
३. पदार्थ के .................... को जानने की जीव की शक्ति वह ज्ञान है ।
४. कलिकाल सर्वज्ञ हेमचंद्राचार्य का दीक्षा का नाम.................. था ।
५. सर्वार्थ सिद्ध वालो को..........................कहते हैं ।
६. महाकाली........................ देवी है ।
७. मिथ्यात्व मोहनीय कर्म के उदय से परमात्मा के वचनों पर श्रद्धा न आवे वह................. है ।
८. जो क्रिया जड है वो तो ....................... बांधता भी है पर शुष्क ज्ञानी तो पाप ही बांधता है ।
९. पाँच ज्ञान और तीन अज्ञान एकमात्र.................... को ही संभव है ।
१०. सूरि अपने वचने में अचल रहे होने के कारण ................. ने उनके समुदाय को अचलगच्छ के रुप मीं संबोधित किया ।
११. आत्मा मे होता स्फूरण, हलन, चलन अथवा व्यापार वह.................. है ।
१२. जगत में भ्रांति करानेवाले, बढाने वाले ..................... हैं ।
१३. चक्षु के बिना चार इन्द्रिय और मनद्वारा पदार्थ के सामान्य धर्म को जानने की शक्ति वह................ है ।
१४. स्नात्रविधि करते समय जिस जगह की मर्यादा बांधी हो उसे ....................कहते है ।
१५. ...................के अंधकार को दूर करने वाले प्रदीप के रुप में यह अभिनव गच्छ ने लोकहृदय में अपूर्व आदर प्राप्त किया ।
१६. गर्भज तिर्यंच व देवताओं को.................... लब्धि ही नहीं होती ।
१७. उपशम सम्यकत्व वाला साधक...................... के उदय को प्राप्त कर उपशान्त मोह से नीचे पडता है ।
१८. कुमारपाल राजा ने गुरुभक्ति से पाटण में ..................... नाम का प्रथम जिनालय बनाया ।
१९. ज्ञान यह आँख के स्थान पर है तो क्रिया यह.................. के स्थान पर है ।
२०. कुबेर ....................... देवता हैं ।

**प्रश्न नं. २ एक शब्द में जवाब लिखो -** १५

१. उपशम श्रेणी वाला साधु सूक्ष्म संपराय गुणस्थानक में क्या सूक्ष्म करता है ?
२. शासन देवी के दिये हुये दूसरे मंत्र से कौन वश में हो सकता है ?
३. किसके त्याग से मोक्ष होता है ?
४. कौनसे संघयण युक्त साधु महात्मा उपशम श्रेणी पर आरुढ हो सकते है ?
५. पदार्थ को समझने की और स्वीकार करने की अपनी मान्यता को क्या कहते हैं ।
६. उपाध्याय विजयचंद्र कौनसी समाचारी के समर्थ परिशोधक और पथदर्शक थे ?
७. हमारा जीवन मोक्ष के सन्मुख है या संसार सन्मुख है यह जानने के लिये किसका निरिक्षण करना चाहिये ?
८. वडगच्छ के पट्टधर आचार्य कौन थे ?
९. जिस मार्ग में साधक उपशम सम्यकत्व से मोहनीय कर्मो को दबाता जाता है उस मार्ग को क्या कहते है ?
१०. अंचलगच्छ के प्रथम महत्तरा साध्वीजी कौन थे ?
११. किलिका संघयण वाला साधक कौन से देवलोक तक जाता है ?
१२. कौनसा प्रमाद कलुषितता को प्राप्त कराता है ?
१३. धनद श्रेष्ठि की सोने की लगडिया काला कोयला कैसे बन गई ?
१४. संवर निर्जरा युक्त क्रिया कैसे संसार का नाश करने के लिये आवश्यक है ?
१५. सिद्धराज जयसिंह के आग्रह से हेमचन्द्राचार्य ने कौनसे व्याकरण ग्रंथ की रचना की ?

**प्रश्न नं. ३ नीचे दिये गये शब्दों के अर्थ लिखो -** १०

१) चयणे २) मराल ३) कारिणः ४) अपि ५) सेसेसु ६) प्रीयन्ताम ७) सूअे ८) कलत्र ९) चतुर्वार १०) इक्कारस
११) आमोद १२) दुरितानी १३) अहमिन्द्र १४) निमज्जति १५) अन्नाण १६) अमराधीश १७) अश्नुते १८) क्रतेकाले
१९) पुरमीसितम २०) सुहृत

**प्रश्न नं. ४ जोडियाँ लगाओ (सिर्फ 'B' के नंबर लिखो) -** १०

| A | B | A | B |
|---|---|---|---|
| १) आठवा गुणस्थान | १) लोकपाल | ६) पू. आर्यरक्षितसूरि | ६) ब्रह्मचारीजी |
| २) मिथ्यादृष्टि | २) परकाय प्रवेशिनी | ७) यम | ७) बंध |
| ३) परसंग | ३) अमृत कमंडल | ८) शासनदेवी | ८) दो श्रेणी |
| ४) चार दर्शन | ४) विभंग ज्ञान | ९) बोधामृत | ९) स्थावर |
| ५) उपा. विजयचंद्रजी | ५) मनुष्य | १०) मिथ्याअवधि ज्ञान | १०) आगमोक्त समाचारी |

**प्रश्न नं. ५ निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संख्या में लिखो -** १०

१. आठवे और नौवे गुणस्थानक में उपशम श्रेणी वाले साधु महात्मा मोहनीय कर्म की कितनी प्रकृतियाँ उपशमित करता है ?
२. श्री शांतिनाथ भगवान को कितनावी गाथा में नमस्कार किया गया है ?
३. कुल योग कितने हैं ?
४. पू. आर्यरक्षितसूरि म. के कुल साधु साध्वीजी कितने थे ?
५. एक भव में उपशम श्रेणी कितनी बार कर सकते है ?
६. पू. हेमचंद्राचार्यजी ने कितने वर्ष की उम्र में दीक्षा ली ?
७. विधिपक्ष गच्छ की स्थापना कौनसे संवत् में हुई ?
८. तीन दर्शन कितने दंडक में संभव है ?
९. उपशांत मोह गुणस्थानक में कितनी प्रकृति की उदिरणा होती है ?
१०. योगद्वार दंडक की कितनावी गाथा में आता है ?

**प्रश्न नं. ६ नीचे के वाक्य सही ( ✓ ) हैं या गलत (×) बताओ -** १०

१. तीन ज्ञान और दो अज्ञान नारकी जीवों को होते है ।
२. तुम्हें हमेशा तुष्टि हो, पुष्टि हो, अनंत लब्धि और ऋधि हो ।
३. जैन शासन को शिथिलाचार के नागपाश में से बचाने उपा. विजयचंद्र मथ रहे थे ।
४. कुमारपाल को तीन बार अपमृत्यु से बचाकर राजा बनाने वाले कलिकाल सर्वज्ञ हेमचंद्राचार्य थे ।
५. बृहद शांति में क्षेत्र देवता को भी प्रसन्न किया जाता है ।
६. निमित मिलने से मलिन हुए पानी जैसा होता है, उपशांत मोहनीय वालों का जीवन ।
७. मोक्ष संबंधी ज्ञान हो, ध्यान हो पर क्रिया न हो तो भी मोक्ष पा सकते हैं ।
८. देवेन्द्रसूरि ने देवी को अमृत पीने की ना कही क्यों कि अभी रात्री का समय था ।
९. अपूर्वकरण गुणस्थानक में साधक संज्वलन लोभ को उपशमित करता है।
१०. वायुकाय को तीन समुद्घात होते हैं ।

**प्रश्न नं. ७ नीचे के वाक्य किस पृष्ठ पर है वह पृष्ठ नंबर लिखो -** १०

१. सुखशीलता में विहार करना यह क्या त्यागी साधु का कर्तव्य है ।
२. जब तक ज्ञान नहीं है, तब तक जीव अज्ञान के अंधकार में भटक रहा है ।
३. मृत्यु जीवन की वास्तविकता है ।
४. हे गुरुवर ! आप अनशन करना मत, तुम्हारे हाथों से शासन का बहुत ही उद्योत होने वाला है ।
५. परमात्मा के वचनों में श्रद्धा भी न हो अश्रद्धा भी न हो वह मिश्र दृष्टि है ।
६. उपशान्तादि चार गुणस्थानों से च्यवकर मिथ्यात्व गुणस्थान में जाता है ।
७. प्रभो ! मोक्ष का मार्ग क्या है ?
८. ॐआचार्य, उपाध्याय वगैरह चार प्रकार के श्री श्रमण संघ को शांति हो ।
९. मैं यहाँ पाटण का ही निवासी हूं, परंतु भारत के अनेक प्रदेशों में घूमा हुआ हूं ।
१०. जहर को जहर जानने के बाद उसका त्याग करने में ही ज्ञान की सफलता है ।

**प्रश्न नं. ८ अपनी भाषा में समझाओ -** १५

१. दर्शन याने क्या ? बताकर उसके प्रकार समझाओ ।
२. सोलह विद्यादेवी के नाम किस गाथा में हैं, बताकर उनके नाम तथा काम समझाओ ।
३. उपशम श्रेणी का स्वरुप संक्षिप्त में समझाओ ।
४. विधिपक्ष गच्छ की स्थापना समझाओ ।
५. पू. हेमचंद्राचार्य की मंत्रसिद्धि समझाओ ।

**उत्तर पत्र नीचे लिखे पते पर भेजिए :**

शत्रुंजय अेकेडमी श्री पद्मप्रभस्वामी जैन मंदिर, स्टेशन रोड, चालिसगाँव - ४२४१०१ जिल्हा : जलगांव,
मो. ९०२८२४२४८४. सही परिणाम और सही जवाब के लिये वेब साईट www.shatrunjayacademy.com